

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर, कोटा, जिला कोटा
पीठासीन अधिकारी: श्री मुकेश कुमार चौधरी, आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या 12/2024 (अपील)

उनवान

रामदयाल पुत्र उंकार जाति बैरवा निवासी मकडावद तहसील सांगोद
जिला कोटा राज0

(अपीलाण्ट)

बनाम

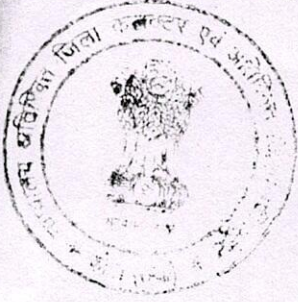
राजस्थान राज्य जयें नायब तहसीलदार सांगोद, जिला कोटा

(रेस्पोडेण्ट)

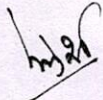
उपस्थित :- 1. श्री भारतसिंह अडसेला (अभिभाषक अपीलाण्ट)
2. राजकीय पेरोकार (राजकीय पेरोकार रेस्पो0 की ओर से)

अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956
बनाराजगी आदेश दिनांक 13.02.2024 मि0न0 433/2024
न्यायालय नायब तहसीलदार, सांगोद जिला कोटा

निर्णय दिनांक : 2.08.2024



1. अपीलाण्ट द्वारा यह अपील राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 75 के अन्तर्गत संक्षेप में इस आशय के साथ प्रस्तुत की है कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित उक्त अपीलाधीन आदेश विधि, न्याय एवं संचिका में सिद्धि प्राप्त तथ्यों के सर्वथा विपरीत होने से निरस्त होने योग्य है।
2. अपीलाण्ट द्वारा प्रस्तुत अपील सबजेक्ट टू लिगिटेशन दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोडेण्ट की तलबी की गई। रेस्पोडेण्ट की ओर से राजकीय पेरोकार उपस्थित हुए।
3. विद्वान अभिभाषक उभय पक्ष की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया।
4. अपीलाण्ट की ओर से उपस्थित विद्वान अभिभाषक का अपील बहस में कथन है कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलाण्ट को ग्राम मकडावद की ख0न0 398 की रकबा 0.05 हैक्टर किस्म बंजड आराजी पर पश्चातवर्ती अतिक्रमी होना मानकर अपीलाण्ट को 21 दिवस का सिविल कारावास एवं तावान राशि 15/- रुपये अधिरोपित करने में त्रुटि की है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलाण्ट को सुनवाई व जवाबदेही का अवसर प्रदान किये बिना ही आदेश पारित कर दिया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली पर अपीलाण्ट को पश्चातवर्ती अतिक्रमी घोषित करने के संबंध में ऐसा कोई पूर्व का रेकार्ड पत्रावली पर उपलब्ध नहीं था। इसके उपरान्त भी अधीनस्थ न्यायालय ने महज पटवारी हल्का की एक पक्षीय रिपोर्ट के आधार पर आदेश पारित कर दिया। अपीलाण्ट उक्त बंजड भूमि जो पूर्णतया अनुपयोगी है तथा पूर्व में खलिहान के रूप में काम आ रही है पर अपने अपने परिवार के रिहायश के लिये धर बनाना चाहता था किन्तु अधीनस्थ न्यायालय ने मौका निरीक्षण किये बिना ही आदेश पारित करने में त्रुटि की है। अतः अपील अपीलाण्ट स्वीकार की जाकर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 13.02.2024 निरस्त फरमाया जावे।


अति. जिला कलेक्टर
कोटा

5. रेस्पोजेण्ट की ओर से उपस्थित विद्वान राजकीय अभिभाषक का बहस में कथन है कि अपीलान्ट द्वारा राजकीय सिवायचक भूमि पर अतिक्रमण करने पर उसे पूर्व में वेदखल किया गया है। उसके बावजूद अप्रार्थी अपीलान्ट द्वारा पश्चातवर्ती अतिक्रमण किया है। जिसके सम्बन्ध में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उचित निर्णय पारित किया गया है। अतः अपील अपीलान्ट खारिज फरमाई जावे।

6. विद्वान अभिभाषक उभय पक्ष की बहस सुनी जाकर पत्रावली का अवलोकन किया गया। अपीलान्ट अप्रार्थी का बहस अपील में कथन है कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलान्ट को ग्राम मकडावद की ख0न0 398 की रकबा 0.05 हैक्टर किस्म बंजड आराजी पर पश्चातवर्ती अतिक्रमी होना मानकर अपीलान्ट को 21 दिवस का सिविल कारावास एवं तावान राशि 15/- रुपये अधिरोपित करने में त्रुटि की है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलान्ट को सुनवाई व जवाबदेही का अवसर प्रदान किये बिना ही आदेश पारित कर दिया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली पर अपीलान्ट को पश्चातवर्ती अतिक्रमी घोषित करने के संबन्ध में ऐसा कोई पूर्व का रेकार्ड पत्रावली पर उपलब्ध नहीं था। इसके उपरान्त भी अधीनस्थ न्यायालय ने महज पटवारी हल्का की एक पक्षीय रिपोर्ट के आधार पर आदेश पारित कर दिया। तथा मौके पर विवादित भूमि बिलकुल खाली व रिक्त हालत में है। रेस्पोजेण्ट अप्रार्थी की ओर से उपस्थित राजकीय अभिभाषक का बहस में कथन रहा है कि "अपीलान्ट द्वारा राजकीय सिवायचक भूमि पर अतिक्रमण करने पर उसे पूर्व में वेदखल किया गया है। इसके बावजूद अप्रार्थी अपीलान्ट द्वारा पश्चातवर्ती अतिक्रमण किया है। जिसके सम्बन्ध में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उचित निर्णय पारित किया गया है।" उभय पक्ष की ओर से बहस में किये गये उक्त कथन, अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय जैर अपील एवं पत्रावली पर उपलब्ध तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये अपील अपीलान्ट आंशिक रूप से स्वीकार किया जाना उचित समझते है।

7. अतः उपरोक्त विवेचन अनुसार अपील अपीलान्ट आंशिक रूप से सशर्त स्वीकार की जाकर अपीलान्ट अप्रार्थी को वाके ग्राम मकडावद स्थित आराजी खसरा नम्बर 398 की रकबा 0.05 हैक्टर किस्म बंजड पर पश्चातवर्ती अतिक्रमण करने के आरोप में दिये गये सिविल कारावास की सजा के आदेश को दो माह के लिए इस शर्त के साथ स्थगित किया जाता है कि इस निर्णय की दिनांक से एक माह के अन्दर अपीलान्ट अप्रार्थी स्वयं अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर इस बाबत शपथ पत्र प्रस्तुत करेगा कि उसके द्वारा उपरोक्त अतिक्रमित आराजी से वास्तविक रूप से मौके से कब्जा हटा लिया गया है, एवं भविष्य में पुनः अतिक्रमण नहीं करेगा, एवं नियमानुसार तावान की राशि जमा करने पर प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को इन दिशा निर्देशों के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि वह अपीलान्ट अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत उक्त शपथ पत्र की मौके पर से वास्तविक रूप से कब्जा हटा लेने की पुष्टि सम्बन्धित भू-अभिलेख निरीक्षक से करावे। अपीलान्ट अप्रार्थी का उपरोक्त अतिक्रमित आराजी पर से मौके पर से वास्तविक रूप से कब्जा हटा लेने बाबत प्रस्तुत उक्त शपथ पत्र सम्बन्धित भू-अभिलेख निरीक्षक से पुष्टि में सही प्रमाणित पाये जाने पर निर्णय जैर अपील से अपीलान्ट अप्रार्थी को दी गई सजा निरस्त होगी, अधीनस्थ न्यायालय का शेष आदेश यथावत रहेगा।

8. निर्णय आज दिनांक 2.08.2024 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद हस्ताक्षर न्यायालय मुद्रा अंकित कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

मुद्रा

(मुकेश कुमार चौधरी)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
कोटा, जिला कोटा
कोटा